



लेखापरीक्षा दिवस-2023
AUDIT DIWAS-2023

**लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में अभिनवता और उत्कृष्टता
के लिए सीएजी पुरस्कार**

**CAG's Awards for Innovation and Excellence
in Public Auditing and Accounting**

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय
Office of the Comptroller and Auditor General of India





लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में अभिनवता और उत्कृष्टता के लिए सीएजी पुरस्कार

CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting

लेखापरीक्षा दिवस-2023

AUDIT DIWAS-2023



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थं सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय
Office of the Comptroller and Auditor General of India

विषय-सूची

क्र.सं. विषय	पृष्ठ सं.
लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में अभिनवता और उत्कृष्टता के लिए सीएजी पुरस्कार, 2023 के बारे में	4-6
सीएजी के पुरस्कार लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची (प्रोजेक्ट के शीर्षक के वर्णानुक्रम में व्यवस्थित) (श्रेणी-I)	8
1. डिजिटल पुस्तकालय और नई आईटी पहल	10
2. वित्तीय प्रबंधन और कागज रहित लेखांकन का शुरू से अंत तक डिजिटलीकरण	12
3. कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड के कामकाज पर निष्पादन लेखापरीक्षा	14
4. खनन प्राप्तियों के मूल्यांकन और संग्रहण में प्रणाली और नियंत्रण पर निष्पादन लेखापरीक्षा	16
5. वीएलसी डैशबोर्ड और डेटा-रिपॉजिटरी प्रोजेक्ट (वीडीडीपी)	18-20
‘वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यालय’ के लिए सीएजी के पुरस्कार के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची (श्रेणी-II)	22-24

Contents

Sl. No.	Subject	Page No.
	About CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting, 2023	5-7
	List of Awardees for CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting (Category-I)	9
1.	Digital Library & New IT Initiatives	11
2.	End to end Digitization of Financial management and Paperless Accounting	13
3.	Performance Audit on Functioning of Kalyana Karnataka Region Development Board	15
4.	Performance Audit on Systems and Controls in Assessment and collection of Mining Receipts	17
5.	VLC Dashboard and Data-repository Project (VDDP)	19-21
	List of Awardees for CAG's Awards for 'Office of the year' (Category-II)	23-25



लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए सीएजी के पुरस्कार, 2023 के बारे में

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक ने लोक लेखापरीक्षा एवं लेखांकन में असाधारण एवं अभिनव कार्यों, जो लोक लेखापरीक्षा एवं लेखांकन, हकदारी तथा समर्थन कार्य के क्षेत्रों में संस्था के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए हों, को एक अलग पहचान देने एवं उन्हें पुरस्कृत करने के लिए वर्ष 2021 में 'लोक लेखा परीक्षा और लेखांकन में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए सीएजी पुरस्कार' की योजना शुरू की।

नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता किसी भी संगठन को आगे ले जाने में प्रमुख उत्प्रेरक हैं। सीएजी के ये पुरस्कार, टीम की उत्कृष्टता के साथ-साथ संगठनात्मक दृष्टिकोण से किए गए सर्वांगीण गुण आधारित प्रदर्शन को मान्यता देते हैं।

वर्ष 2023 के लिए सीएजी के ये पुरस्कार निम्नलिखित दो श्रेणियों में प्रदान किए गए हैं:

► श्रेणी I — लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए सीएजी के पुरस्कार

यह पुरस्कार एक अभिनव, असाधारण और प्रभावशाली पहल की कल्पना करने और उसे क्रियान्वित करने में शामिल टीम को दिया जाता है। पुरस्कार के दायरे में निम्नलिखित क्षेत्रों में संगठन के कामकाज में नए और रचनात्मक विचारों को बढ़ावा देने में सम्मिलित नवाचार और उत्कृष्टता शामिल है —

- i. लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं, लेखापरीक्षा रिपोर्ट और अन्य लेखापरीक्षा उत्पाद
- ii. लेखांकन प्रक्रियाएँ और वित्तीय रिपोर्टिंग
- iii. हकदारी प्रक्रियाएँ और सेवा वितरण
- iv. प्रशासनिक दक्षता
- v. क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण
- vi. कोई अन्य क्षेत्र जो भारत के सीएजी के समग्र मिशन की उपलब्धि में योगदान देता हो।

About CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting, 2023

The Comptroller and Auditor General of India, in the year 2021, instituted the scheme for 'CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting', to recognize and reward the extraordinary and innovative work done by the officers and staff of the Institution in the areas of public auditing, accounting, entitlement and support functions.

Commitment to innovation and excellence are the key drivers in taking any organization forward. CAG's Awards seek to recognize team excellence as well as all round qualitative performance from an organizational perspective.

CAG's Awards for the year 2023 have been conferred in the following two categories:

► **Category I-** CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting

The Award is given to the team involved in conceiving and executing an innovative, extraordinary, and impactful initiative. The scope of the Award includes innovation and excellence to promote new and creative ideas in the functioning of the Organisation in the following areas -

- i. Auditing processes, Audit Reports and other audit products
- ii. Accounting processes and financial reporting
- iii. Entitlement processes and service delivery
- iv. Administrative efficiency
- v. Capacity Building and Training
- vi. Any other area that contributes to achievement of the overall mission of the CAG of India.



लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए सीएजी के पुरस्कार, 2023 के बारे में

इस वर्ष, शीर्ष लेखा परीक्षा संस्थान (SAI) इंडिया के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों एवं भारत के सीएजी के कार्यालय के स्कंधों/अनुभागों से कुल 45 पात्र प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। सीएजी प्रसन्नतापूर्वक पांच टीमों को वर्ष 2023 के पुरस्कारों का विजेता घोषित करते हैं। पुरस्कृत प्रविष्टियों का चयन एक सावधानीपूर्वक प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है जिसमें एक विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रविष्टियों की कड़ी जांच, उनकी छंटनी व इन छांटे गए प्रस्तावों का बाद में एक सशक्त समिति द्वारा स्वतंत्र मूल्यांकन सम्मिलित है।

■ श्रेणी II – 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यालय' के लिए सीएजी के पुरस्कार

यह पुरस्कार वर्ष 2022-23 के दौरान प्रदर्शन के साथ-साथ पिछले वर्ष (2021-22) की तुलना में सुधार के आधार पर लेखांकन, लेखा परीक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में काम करने वाले कार्यालयों को दिया जाता है। 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कार्यालय' का चयन कार्य के प्रशासनिक और कार्यात्मक क्षेत्रों में कुछ निर्धारित मापदंडों पर विषयगत मूल्यांकन की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था। प्रत्येक कार्यालय ने निर्धारित मापदंडों पर स्व-मूल्यांकन किया और अंक प्रदान किए। स्व-मूल्यांकनों को सत्यापन की एक कठोर प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है, पहले कार्यात्मक विंग तत्पश्चात, स्वतंत्र रूप से सीएजी कार्यालय के निरीक्षण और सहकर्मि समीक्षा विंग द्वारा। सीएजी के पुरस्कार (श्रेणी-II) क्षेत्रीय कार्यालयों की चार श्रेणियों के अंतर्गत दिए जाते हैं जैसे कि लेखा एवं हकदारी, राज्य लेखापरीक्षा, संघ लेखापरीक्षा कार्यालय तथा क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान/केंद्र।

About CAG's Awards for Innovation and Excellence in Public Auditing and Accounting, 2023

This year, a total of 45 eligible entries were received from various field offices of SAI India and wings in the office of the C&AG of India. The CAG is pleased to declare five teams as the winners of the Awards for the year 2023. The awarded entries have been selected through a meticulous process involving rigorous scrutiny and short listing of the entries by an Expert Committee, followed by an independent assessment of the shortlisted proposals by an Empowered Committee.

► **Category II- CAG's Awards for 'Office of the Year'**

This Award seeks to recognize offices working in the spheres of Accounting, Auditing and Capacity Building, based on performance during the year 2022-23 as well as improvement over the previous year (2021-22). The selection of 'Office of the Year' was done through a process of objective assessment on certain prescribed parameters in administrative and functional areas of work. Each office performed a self-assessment on the laid down parameters and awarded scores. The self-assessments have undergone a rigorous process of verification, first by the functional wings and thereafter, independently by the Inspection and Peer Review wing of the C&AG office. CAG's Awards (Category-II) are given under four categories of field offices viz. Accounts & Entitlement, State Audit, Union Audit offices and Capacity Building and Knowledge Institutes/Centres.



सीएजी के पुरस्कार लोक लेखापरीक्षा और लेखांकन
में नवाचार और उत्कृष्टता

के लिए

पुरस्कार विजेताओं की सूची
(प्रोजेक्ट के शीर्षक के वर्णानुक्रम में व्यवस्थित)

(श्रेणी-I)

List of Awardees
(in alphabetical order of the title of the project)
for
CAG's Awards for Innovation and Excellence
in Public Auditing and Accounting
(Category-I)

CAG's Awards-2023



डिजिटल पुस्तकालय और नई आईटी पहल

पुरस्कृत कार्यालय: प्रधान महालेखाकार का कार्यालय (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल

उत्कृष्टता का क्षेत्र: हितधारक जुड़ाव

पी एजी (ए एंड ई), पश्चिम बंगाल का कार्यालय देश के सबसे पुराने सरकारी कार्यालयों में से एक है। इसने नवीन और टिकाऊ समाधानों का उपयोग करके अपने हितधारकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न पहलें कीं, जो पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हैं और जिनसे हरित और कागज रहित डिजिटल कार्य वातावरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिली हैं। ये पहल कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर केंद्रित हैं, जिस पर विभिन्न हितधारकों [3 लाख जीपीएफ अभिदाता, सालाना 25,000 पेंशनभोगी, एजी (ए एंड ई) के 1,000 कर्मचारी, राज्य सरकार के 91 विभाग, आदि] के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। इस मॉड्यूल से उपयोगकर्ता कार्य की स्थिति और जीपीएफ पर्ची देखने के साथ पेंशन भुगतान आदेश, विभिन्न आदेश, रिपोर्ट इत्यादि जैसे प्रासंगिक दस्तावेज भी डाउनलोड कर सकते हैं। कार्यालय ने अपनी कार्य प्रक्रियाओं को भी ई-ऑफिस के इर्द गिर्द बनाया है।

इन पहलों ने कार्यालय को कागज रहित कार्यालय और हरित डिजिटल कार्य वातावरण की ओर बढ़ने और हितधारकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, बेहतर जवाबदेही और अधिक दक्षता आई है। इससे फाइल पूरी होने की प्रक्रिया में तेजी आई है, कागज के उपयोग की लागत में महत्वपूर्ण बचत हुई है, कार्यालय रिकॉर्ड/दस्तावेजों का डिजिटल संरक्षण आदि हुआ है।

इसके अलावा, कार्यालय ने एक पुरालेख सुविधा तैयार की और राज्य पुरालेख पुस्तकालय के साथ समन्वय में, 1870 के दशक से एजी मैनुअल, वित्त खाते, विनियोग खातों तक अभिगम्यता प्राप्त की, जिन्हें श्रेणीबद्ध कर कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इससे राज्य के सुसंगत और व्यापक वित्तीय इतिहास तक शोधकर्ताओं और विद्वानों सहित आधिकारिक और सार्वजनिक हितधारकों की अभिगम्यता आसान हो गई है।

टीम

1. श्री देबतोष प्रामाणिक, *वरिष्ठ लेखा अधिकारी*
2. श्री सुशांत कुमार बेरा, *सहायक लेखा अधिकारी*
3. श्री पबित्र कुमार जाना, *सहायक लेखा अधिकारी*

Digital Library & New IT Initiatives

Awarded office: Office of the Principal Accountant General (Accounts & Entitlement), West Bengal

Area of excellence: Stakeholder Engagement

Office of the PAG (A&E), West Bengal is one of the oldest Government offices in the country. It took various initiatives to provide services to its stakeholders using innovative and sustainable solutions which have scaled over the years and have helped in achieving goals of green & paperless digital work environment. These initiatives are centred on the official website of the office, on which modules have been developed for various stakeholders [3 lakh GPF subscribers, 25,000 Pensioners annually, 1,000 AG (A&E) Employees, 91 State Departments, etc.]. The modules allow users to view work status and download relevant documents such as GPF slips, Pension Payment orders, various orders, reports, etc. The office has also built its work processes around E-Office.

These initiatives have enabled the Office to move towards Paperless Office and Green Digital Work Environment and extend high quality services to the stakeholders. It has brought transparency, improved accountability and enhanced efficiency in administrative work. It has also led to faster file turnaround time, significant cost savings of paper usage, digital preservation of office records / documents, etc.

Further, the office prepared an Archive facility and in coordination with the State Archival Library, obtained access to AG Manuals, Finance Accounts, Appropriation Accounts since 1870s, which have been categorised and uploaded on the website of the office. This has facilitated access to official and public stakeholders including researchers and scholars to a coherent and comprehensive financial history of the State.

The Team

1. Mr. Debatosh Pramanik, *Sr. Accounts Officer*
2. Mr. Sushanta Kumar Bera, *Asst. Accounts officer*
3. Mr. Pabitra Kumar Jana, *Asst. Accounts officer*



वित्तीय प्रबंधन और कागज रहित लेखांकन का शुरु से अंत तक डिजिटलीकरण

पुरस्कृत कार्यालय: प्रधान महालेखाकार का कार्यालय (लेखा एवं हकदारी), ओडिशा

उत्कृष्टता का क्षेत्र: लेखांकन प्रक्रियाएं और वित्तीय रिपोर्टिंग

कोविड महामारी के प्रकोप के कारण सामाजिक दूरी और शारीरिक संपर्क से बचना आवश्यक हो गया और डीडीओ से कोषागार और कार्यालय तक वाउचरों की आवाजाही पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। चूंकि कोषागार वाउचर भेजने में सक्षम नहीं थे, इसलिए खातों के मासिक संकलन में विलंब हुआ। 2021 तक, ओडिशा सरकार ने एक एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली शुरू कर दी थी। हालाँकि यह ई-संवितरण और ई-रसीदों पर केंद्रित था, डीडीओ ने समानांतर रूप से कोषागारों को भौतिक रूप से वाउचर भेजना जारी रखा। इसके अलावा, सभी सब-वाउचर और सहायक दस्तावेज केवल भौतिक प्रारूप में थे।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में, पीएजी (ए एंड ई), ओडिशा के कार्यालय ने राज्य सरकार के सहयोग से पूरी तरह से कागज रहित वातावरण में परिवर्तन के प्रयास शुरू किए। कार्यालय ने कार्यात्मक आवश्यकता, परियोजना कार्यान्वयन योजना विकसित करके, नियमित उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण आयोजित करके, ई-स्वीकृतियों, ई-बिलों के लिए नए प्रारूप डिजाइन करके और डिजिटल वातावरण को सक्षम करने के लिए बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग को क्रियान्वित करके परियोजना का नेतृत्व किया। कार्यालय ने नई प्रणाली पर ट्रेजरी अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए एक ट्रेजरी अधिकारी सम्मेलन और क्षेत्रीय स्तर की कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं।

अप्रैल 2023 से पूरी तरह से डिजिटल वातावरण में परिवर्तन के साथ, ओडिशा में शुरु से अंत तक वित्तीय प्रबंधन पूरी तरह से कागज रहित हो गया है, नई प्रणाली में भौतिक वाउचर को ई-वाउचर से बदल दिया गया है। यहां तक कि बिल के उप-घटक जैसे उप-वाउचर, लाभार्थी सूची, मंजूरी और सहायक दस्तावेज भी स्कैन और डिजिटल रूप से अपलोड किए जाते हैं। वित्तीय प्रबंधन में सभी प्रक्रियाएं जैसे बजट तैयार करना, मंजूरी, बिल तैयार करना, संवितरण, वाउचर, लेखांकन, भंडारण इत्यादि, वर्तमान में केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ही की जाती हैं।

टीम

1. श्री श्रीराज अशोक, आईएएएस
2. श्री मसरूर अहमद, आईएएएस
3. श्री प्रवीर कुमार सामल, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (सेवानिवृत्त)
4. सुश्री भारती महापात्र, सहायक लेखा अधिकारी
5. श्री गुरुदास चक्रवर्ती, लिपिक (सेवानिवृत्त)

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के पुरस्कार, 2023

End to end Digitization of Financial Management and Paperless Accounting

Awarded office: Office of the Principal Accountant General (Accounts & Entitlement), Odisha

Area of excellence: Accounting processes and financial reporting

The outbreak of COVID pandemic necessitated social distancing and avoidance of physical contact and adversely impacted movement of vouchers from DDOs to Treasuries and to the Office. Since Treasuries were not able to send vouchers, the monthly compilation of Accounts were delayed. By 2021, Government of Odisha had rolled out an Integrated Financial Management System. Though this was focussed on e-disbursements and e-receipts, DDOs continued to parallelly send physical vouchers to Treasuries. Further, all sub-vouchers & supporting documents were only in physical format.

Against the above backdrop, Office of the PAG (A&E), Odisha in association with the State Government initiated efforts for transition to a completely paperless environment. The office led the project by developing the Functional requirement, Project Implementation Plan, conducting regular User Acceptance Testing, designing new formats for e- Sanctions, e-Bills and executing the Business Process Re-engineering for enabling a digital environment. The Office also convened a Treasury Officers Conference and regional level workshops to sensitize Treasury Officers on the new system.

With the transformation to a fully digital environment from April 2023, end to end financial management has become completely paperless in Odisha, physical vouchers have been replaced with e-vouchers in the new system. Even sub-components of the bill like sub-vouchers, beneficiary list, sanction and supporting documents are scanned and digitally uploaded. All the processes in financial management like Budget preparation, sanction, bill preparation, disbursement, voucher, accounting, storage, etc., are currently performed through electronic medium only.

The Team

1. Mr. Sreeraj Ashok, *IA&AS*
2. Mr. Masroor Ahmad, *IA&AS*
3. Mr. Prabir Kumar Samal, *Sr. Accounts Officer (Retd.)*
4. Ms. Bharati Mohapatra, *Asst. Accounts officer*
5. Mr. Gurudas Chakraborty, *Clerk (Retd.)*

CAG's Awards-2023



कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड के कामकाज पर निष्पादन लेखापरीक्षा

पुरस्कृत कार्यालय: प्रधान महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा)—I, कर्नाटक

उत्कृष्टता के क्षेत्र: लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं, लेखापरीक्षा रिपोर्ट और अन्य लेखापरीक्षा उत्पाद

कल्याण कर्नाटक क्षेत्र, जिसमें कलबुर्गी, बीदर, रायचूर, कोप्पल, यादगीर और बेल्लारी जिले शामिल थे, पूर्ववर्ती निज़ाम राजवंश का हिस्सा थे। विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के संदर्भ में यह क्षेत्र कर्नाटक के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत कम विकसित था।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 371 जे के प्रावधानों के तहत, कर्नाटक के राज्यपाल ने हैदराबाद कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (एचकेआरडीबी) की स्थापना का एक आदेश जारी किया (नवंबर 2013)। एचकेआरडीबी का नाम बदलकर (सितंबर 2019) कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) कर दिया गया।

पीएजी कार्यालय (ऑडिट-1), कर्नाटक ने केकेआरडीबी के कामकाज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए 2021-22 में एक निष्पादन लेखापरीक्षा किया। शेष कर्नाटक के संबंध में कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानताओं की लेखापरीक्षा में विशेष रूप से बोर्ड के पास प्रासंगिक डेटा की कमी के कारण कई चुनौतियाँ प्रस्तुत हुईं। बोर्ड ने निर्दिष्ट समयसीमा के साथ मापने योग्य शर्तों में विशिष्ट उद्देश्यों और लक्ष्यों से जुड़े क्षेत्रीय विकास के लिए एक संकेतक ढांचा विकसित नहीं किया था।

राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में क्षेत्र में विकास की स्थिति का पता लगाने के लिए सरकार के विभिन्न विभागों से डेटा एकत्र करने और सूचकांक विकसित करने जैसे वैकल्पिक तरीकों का उपयोग करके बाधाओं को दूर किया गया। ऑडिट ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के निरंतर सापेक्ष पिछड़ेपन को प्रदर्शित करने के लिए नंजुंदप्पा समिति द्वारा उपयोग किए गए प्रासंगिक संकेतकों (वर्ष 2002 में समिति द्वारा तैयार) के आधार पर वर्ष 2020 के लिए समग्र विकास सूचकांक का पुनर्निर्माण किया। ऑडिट ने रात्रि प्रकाश दीप्ति के भू-स्थानिक वितरण का विश्लेषण करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के क्षेत्रीय दूरस्थ संवेदी केंद्र की सेवाओं का भी अनुरोध किया, जिसे आर्थिक विकास के लिए एक और उभरता हुआ भू-स्थानिक संकेतक माना जाता है। क्षेत्र द्वारा हासिल की गई प्रगति को समझने के लिए इन संकेतकों का विश्लेषण एक नया दृष्टिकोण था और इसने बोर्ड के कामकाज और बोर्ड द्वारा की गई विकास गतिविधियों के परिणाम में अंतराल का आकलन करने के लिए एक साँचा तैयार किया। इन पहलों ने एक ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने में मदद की जिसने बोर्ड के निष्पादन का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें विभिन्न कार्यों और शासन पहलुओं को शामिल किया गया।

टीम

1. सुश्री शांति प्रिया एस, आईएएस
2. सुश्री मोनाली ए फडतरे, आईएएस
3. सुश्री एलिजाबेथ वर्गीस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
4. श्री इप्पिली हेमन्त कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
5. श्री जेल्ला मणिकंठ वासु, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
6. श्री संधामूर्ति एस, पर्यवेक्षक

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के पुरस्कार, 2023

Performance Audit on Functioning of Kalyana Karnataka Region Development Board

Awarded office: Office of the Principal Accountant General (Audit)-I, Karnataka

Areas of excellence: Auditing processes, Audit reports and other Audit products

The Kalyana Karnataka region, comprising the districts of Kalaburagi, Bidar, Raichur, Koppal, Yadgir and Bellary were part of erstwhile Nizam dynasty. The region was relatively under developed compared to other parts of Karnataka, in terms of various socio-economic indicators.

Under provisions of Article 371 J of the Constitution of India, the Governor of Karnataka issued (November 2013) an Order establishing the Hyderabad Karnataka Region Development Board (HKRDB). The HKRDB was renamed (September 2019) as Kalyana Karnataka Region Development Board (KKRDB).

Office of the PAG (Audit-I), Karnataka undertook a Performance Audit in 2021-22 to assess the effectiveness of the functioning of KKRDB. Audit of regional disparities in the Kalyana Karnataka Region with respect to the rest of Karnataka presented several challenges especially due to the lack of relevant data with the Board. The Board had not developed an indicator framework for regional development linked with specific goals and targets in measurable terms along with specified timelines.

The constraints were overcome by using alternative methods such as collecting data from various departments of the Government and developing indices to ascertain the status of development in the region in comparison with other parts of the State. Audit re-constructed the Composite Development Index (prepared by the Nanjundappa Committee during year 2002), for the year 2020 by using relevant indicators used by the Committee to demonstrate continued relative backwardness of the Kalyana Karnataka Region. Audit also requested the services of the Regional Remote Sensing Centre at Indian Space Research Organization to analyse the geo-spatial distribution of night light luminosity which is considered as another emerging geo-spatial indicator for economic development. Analysis of these indicators to understand the progress achieved by the Region was a novel approach and it set the template for assessing gaps in the functioning of the Board and outcome of development activities undertaken by the Board. These initiatives helped to prepare an audit report that presented a comprehensive view of the Board's performance, covering various functions and governance aspects.

The Team

1. Ms. Shanthi Priya S, IA&AS
2. Ms. Monali A Phadtare, IA&AS
3. Ms. Elizabeth Varghese, Sr. Audit Officer
4. Mr. Ippili Hemanth Kumar, Asst. Audit Officer
5. Mr. Jella Manikanta Vasu, Asst. Audit Officer
6. Mr. Shanthamurthy S, Supervisor

CAG's Awards-2023



खनन प्राप्तियों के मूल्यांकन और संग्रहण में प्रणाली और नियंत्रण पर निष्पादन लेखापरीक्षा

पुरस्कृत कार्यालय: महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा), बिहार

उत्कृष्टता के क्षेत्र: लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं, लेखापरीक्षा रिपोर्ट और अन्य लेखापरीक्षा उत्पाद

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार ने खनन प्राप्तियों के मूल्यांकन और संग्रहण और प्रचलित नियमों और विनियमों के प्रवर्तन की सीमा में प्रणाली और नियंत्रण पर एक निष्पादन लेखापरीक्षा आयोजित की। निष्पादन लेखापरीक्षा ने बिहार में प्रणालीगत खामियां, विभिन्न नियमों और प्रावधानों का अनुपालन न करने के कारण नुकसान, अवैध खनन की सीमा, जिला खनिज निधि का उपयोग और समन्वय और निगरानी के मुद्दे उजागर करते हुए खनन की व्यापक तस्वीर को सामने लाने पर ध्यान केंद्रित किया। ऑडिट में रिकॉर्ड की महत्वपूर्ण जांच, दो तरफा सत्यापन और आईटी टूल का व्यापक उपयोग शामिल था।

नदी तल खनन एक सालाना कवायद है, जहां हर साल बाढ़ के मौसम के कारण खनन के पुराने क्रियाकलाप मिट जाते हैं। इसने प्रणालीगत नियंत्रणों की कार्यप्रणाली और अवैध खनन पर इसके प्रभाव की जांच करने में एक चुनौती पेश की। इस चुनौती के समाधान के लिए, आईटी उपकरण गूगल अर्थ प्रो (Google Earth Pro) को खनन योजना निर्देशांक तैयार करने के लिए नियोजित किया गया था, जिसके माध्यम से यह देखा गया कि खनन योजनाएँ बिना किसी सर्वेक्षण के तैयार की गईं और केवल एक औपचारिकता थीं।

ऑडिट टीम ने 106 रेत घाटों का जीआईएस अध्ययन किया और 86 घाटों में स्वीकृत क्षेत्रों से परे अवैध खनन का पता लगाया। टीम को छह घाटों पर खनन की कम रिपोर्टिंग भी मिली।

इस ऑडिट में अपनाया गया एक नया दृष्टिकोण खनन को अलग-थलग करके नहीं देखना था, बल्कि अन्य विभागों के साथ अंतर-संबंधों के संदर्भ में इसकी जांच करना था। ऑडिट टीम ने 8,483 वाहनों की जब्ती रिपोर्ट को खनन चालान डेटाबेस के साथ दोतरफा सत्यापित किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इन वाहनों में खनिजों की दुलाई के लिए कानूनी चालान जारी किए गए थे। डेटा विश्लेषण से खनन के लिए कारों, बसों, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों के उपयोग के साथ-साथ ई-चालानों की अनियमित उत्पत्ति (एक वाहन के लिए एक दिन में 861 बार) का पता चला। ऑडिट द्वारा जीआईएस अध्ययन विशेषज्ञ एजेंसी यानी एनआईटी, पटना की मदद से किया गया था और प्राप्त आंकड़ों का ई-चालान डेटाबेस के विरुद्ध विश्लेषण किया गया था ताकि यह दिखाया जा सके कि चालान जीआईएस छवियों में खनन देखे बिना उत्पन्न किए गए थे। निष्पादन ऑडिट के बाद, अवैध खनन पर प्रवर्तन से विभागीय राजस्व में 2021-22 से 2022-23 तक 70% की वृद्धि देखी गई।

टीम

1. श्री रामावतार शर्मा, आईएएस
2. श्री आदर्श अग्रवाल, आईएएस
3. श्री आशीष कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
4. श्री तरुण कुमार सिन्हा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
5. श्री विशाल कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
6. श्री मोईन उल हक, वरिष्ठ लेखा परीक्षक

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के पुरस्कार, 2023

Performance Audit on Systems and Controls in Assessment and collection of Mining Receipts

Awarded office: Office of the Accountant General (Audit), Bihar

Areas of excellence: Auditing processes, Audit reports and other Audit products

Office of the AG (Audit), Bihar conducted a Performance Audit on Systems and Controls in Assessment and collection of Mining Receipts and extent of enforcement of prevalent rules and regulations. The Performance Audit focused on bringing out a comprehensive picture of mining in Bihar, highlighting systemic lapses, losses due to non-compliance of various rules and provisions, extent of illegal mining, use of District Mineral Fund, and coordination & monitoring issues. The Audit involved critical examination of records, cross verification and extensive use of IT tools.

Riverbed mining is a yearly exercise, where mining history is removed every year owing to flooding seasons. This posed a challenge in checking the functioning of systemic controls and its impact on illegal mining. To address this challenge, the IT tool Google Earth Pro was employed to plot mining plan coordinates, through which it was observed that mining plans were prepared without any survey and were only a formality.

The audit team carried out a GIS study of 106 sand ghats and discovered illegal mining beyond approved areas in 86 ghats. The team also found under-reporting of mining in 6 ghats.

A novel approach adopted in this audit was not to see Mining in isolation, but examine it in the context of inter-relationships with other departments. The Audit team cross-verified seizure reports of 8,483 Vehicles with Mining challan database to find whether the legal challans were issued in these vehicles for carriage of minerals. Data analysis brought out use of cars, buses, ambulances, motorcycles for mining as well as irregular generation of E-challans (861 times in a day for single vehicle). The GIS study was carried out by Audit with the help of expert agency i.e. NIT, Patna and the data generated was analysed against the E-challan database to show that the challans were generated without seeing mining in GIS images. Post the performance audit, the departmental revenue from enforcement on illegal mining saw an increase of 70% from 2021-22 to 2022-23.

The Team

1. Mr. Ramawatar Sharma, IA&AS
2. Mr. Adarsh Agarwal, IA&AS
3. Mr. Ashish Kumar, Sr. Audit Officer
4. Mr. Tarun Kumar Sinha, Asst. Audit Officer
5. Mr. Vishal Kumar, Asst. Audit Officer
6. Mr. Moinul Haque, Sr. Auditor

CAG's Awards-2023



वीएलसी डैशबोर्ड और डेटा-रिपॉजिटरी प्रोजेक्ट (वीडीडीपी)

पुरस्कृत कार्यालय: प्रधान महालेखाकार का कार्यालय (लेखा एवं हकदारी), असम

उत्कृष्टता के क्षेत्र: लेखांकन प्रक्रियाएं और वित्तीय रिपोर्टिंग

वीएलसी डैशबोर्ड और डेटा-रिपॉजिटरी प्रोजेक्ट (वीडीडीपी) भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग (आईए एंड एडी) की अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसने एक ही प्रयुक्ति के भीतर प्रत्येक राज्य के वित्त एवं विनियोग लेखा से संबंधित सूचना एक समान डेटा संरचना डेटासेट (रिपॉजिटरी) और डैशबोर्ड के एक समान सेट के निर्माण द्वारा प्रस्तुत करने में सक्षम बनाया है। यह परियोजना लेखा एवं हकदारी कार्यालयों के वीएलसी अकाउंटिंग एप्लिकेशन के भीतर मौजूद अकाउंटिंग डेटा और टेबल्यू जैसे डेटा एनालिटिक्स टूल, जो डेटा की लाखों पंक्तियों को संभालने में सक्षम है, में हाल की प्रगति का लाभ उठाती है।

डैशबोर्ड के लिए आवश्यक डेटा प्रत्येक राज्य के वीएलसी डेटाबेस से सावधानीपूर्वक लिखे गए प्रोग्राम (हजारों पंक्तियों में चलते हुए पीएल/एसक्यूएल कोड) का उपयोग करके निकाला जाता है ताकि उनका राज्य के मुख्य वित्तीय विवरणों के साथ सटीक मिलान हो। एक ही प्रयुक्ति के भीतर वित्तीय विवरणों के साथ शतप्रतिशत मिलान और वित्त एवं विनियोग खातों के निर्बाध एकीकरण की यही उपलब्धि इसे इस डैशबोर्ड प्रयुक्ति और इसके अंतर्निहित आंकड़ों को लेखापरीक्षा तथा लेखा कार्यालय दोनों के लिए बहुत मूल्यवान बनाती है।

टेबलो डैशबोर्ड एप्लिकेशन के भीतर नौ अलग-अलग डैशबोर्ड हैं जो वित्त और विनियोग खातों दोनों के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करते हैं। डैशबोर्ड वित्त वर्ष 2015-16 के बाद के डेटा के साथ, मासिक स्तर पर एकत्र किए गए लेखांकन ग्रैन्जुलैरिटी (विस्तृत शीर्ष/ऑब्जेक्ट हेड) के निम्नतम स्तर पर डेटा प्रस्तुत करता है। यह वित्त वर्ष 2015-16 के बाद से मासिक प्रवृत्ति और वार्षिक प्रवृत्ति दोनों को देखते हुए, किसी भी वित्तीय विवरण प्रविष्टि को निम्नतम लेखांकन वर्गीकरण की गहराई तक पता लगाने में सक्षम बनाता है।

टेबल्यू डैशबोर्ड के उपयोग में आसान इंटरफ़ेस में इस विस्तृत जानकारी की उपलब्धता लेखापरीक्षा कार्यालयों को वित्तीय विवरणों पर एक समग्र निष्कर्ष बनाने और इस प्रकार खातों के प्रमाणीकरण में मदद करती है। राज्य के वित्त की गहरी समझ लेखापरीक्षा कार्यालयों को अपने लेखापरीक्षा संसाधन आवंटन की बेहतर योजना बनाने और लेखा कार्यालयों को खातों की शुद्धता सुनिश्चित करने और राज्य के वित्त विभाग को आवश्यक सहायता प्रदान करने में सशक्त बनाती है।

VLC Dashboard and Data-repository Project (VDDP)

Awarded office: Office of the Principal Accountant General (Accounts & Entitlement), Assam

Areas of excellence: Accounting processes and financial reporting

The VLC Dashboard and Data-repository Project (VDDP) is a first of its kind project of IA&AD which has enabled the creation of a uniform data structure dataset (the repository) and a uniform set of Dashboards capable of presenting the information related to Finance and Appropriation Accounts of each State within a single application. The project leverages on the accounting data contained within VLC accounting application of A&E offices and the recent advancements in data analytics tools such as Tableau capable of handling millions of rows of data.

The data required for the Dashboards is extracted from the VLC database of each State using meticulously written programs (PL/SQL Code running into thousands of lines) such that there is an exact agreement with the core Financial Statements of the State. It is this achievement of 100 *per cent* agreement with the Financial Statements and the seamless integration of Finance and Appropriation Accounts within a single application that makes this Dashboard application and the underlying data of great value for both Accounts and Audit offices.

There are nine separate Dashboards within the Tableau Dashboard application which showcase different aspects of both Finance and Appropriation Accounts. The Dashboard presents data to the lowest level of accounting granularity (Detailed Head/ Object Head) aggregated at monthly level, with data from FY 2015-16 onwards. This enables drill-down of any financial statement entry to the lowest accounting classification, while seeing both the monthly trend, and the annual trend since FY 2015-16.

Availability of this detailed information in an easy-to-use interface of Tableau Dashboards helps Audit offices in forming an overall conclusion on the financial statements and thus in certification of accounts. A deeper understanding of the State Finances empowers Audit offices to plan their Audit resource allocation better, and Accounts offices in ensuring correctness of accounts, and in providing required assistance to the Finance Department of the State.

CAG's Awards-2023



वीएलसी डैशबोर्ड और डेटा-रिपॉजिटरी प्रोजेक्ट (वीडीडीपी)

राज्यों में समान डेटा संरचना सार्वजनिक वित्त के विभिन्न पहलुओं पर अखिल भारतीय विश्लेषण की अनुमति देने वाले अखिल भारतीय डेटा भंडार के निर्माण के लिए मंच तैयार करती है। इसके अलावा, डेटा संरचना की एकरूपता नए डैशबोर्ड/एनालिटिक्स रूटीन के रूप में नवाचार को साझा करने में सक्षम बनाती है, प्रारम्भ से, पूरे आईए एंड एडी में, जिससे सुशासन के लिए लेखांकन और लेखापरीक्षा के सामान्य उद्देश्य में एक-दूसरे का समर्थन करने वाला एक पैन-आईए एंड एडी समुदाय तैयार हो सके।

टीम

1. श्री के एस गोपीनाथ नारायण, आईएएस
2. श्री श्रीराज अशोक, आईएएस
3. श्री विघ्नेश्वरन के, आईएएस
4. श्री सिरील पॉल बॉब याज्ञाला, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (परामर्शदाता)
5. श्री देबाशीष देब पुरकायस्थ, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (परामर्शदाता)
6. श्री महेश कुमावत, सहायक लेखा अधिकारी

VLC Dashboard and Data-repository Project (VDDP)

The uniform data structure across the States sets the stage for creation of an All-India data repository permitting an All-India analysis on various aspects of Public Finance. Further, the uniformity of data structure enables innovation in the form of new Dashboards/analytics routine to be shareable, *ab-initio*, across IAAD, thereby creating a pan-IAAD community supporting each other in the common cause of accounting and auditing for good governance.

The Team

1. Mr. K S Gopinath Narayan, IA&AS
2. Mr. Sreeraj Ashok, IA&AS
3. Mr. Vigneshwaran K, IA&AS
4. Mr. Siril Paul Bob Yazala, *Sr. Accounts Officer (Consultant)*
5. Mr. Debashish Deb Purkayastha, *Sr. Accounts Officer (Consultant)*
6. Mr. Mahesh Kumawat, *Asst. Accounts officer*



‘वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यालय’ के लिए सीएजी के पुरस्कार
के लिए
पुरस्कार विजेताओं की सूची
(श्रेणी-II)



List of Awardees
for
CAG's Awards for 'Office of the year'
(Category-II)

CAG's Awards-2023



**‘वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यालय’ के लिए सीएजी के पुरस्कार
के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची
(श्रेणी-II)**

संघ लेखापरीक्षा कार्यालय

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद

राज्य लेखापरीक्षा कार्यालय

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), सिक्किम

लेखा एवं हकदारी कार्यालय

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), हरियाणा

क्षमता निर्माण और ज्ञान संस्थान/केंद्र

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, मुंबई



List of Awardees for
CAG's Awards for 'Office of the year'
(Category-II)

Union Audit Offices

Office of the Principal Director of Audit (Central), Hyderabad

State Audit Offices

Office of the Principal Accountant General (Audit), Sikkim

Accounts & Entitlement Offices

Office of the Principal Accountant General (A&E), Haryana

Capacity Building and Knowledge Institutes/Centres

Regional Capacity Building and Knowledge Institute, Mumbai









SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक Comptroller and Auditor General of India

पॉकेट-9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110 124
Pocket-9, Deen Dayal Upadhyaya Marg, New Delhi-110 124